

# बॉर्डर न्यूज़ मिरर

...खबरों से समझौता नहीं



## जिस काम को करने में 50 वर्ष लगे, पीएम मोदी के नेतृत्व में वैसे 4 काम 3 महीने में हुए : शाह

-एएमसी और औडा के 1651 करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

-चार तालाब समेत पिंक टॉयलेट, कम्युनिटी हॉल, उद्यान प्रकल्पों की सौगात मिली

बीएनएम@गांधीनगर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अहमदाबाद महानगर पालिका और अहमदाबाद शहरी सत्तामंडल के कुल 1651 करोड़ की लागत के 39 विकास कार्यों का शनिवार को लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस अवसर पर गांधीनगर के त्रागड़ में आयोजित सभा में शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार और अहमदाबाद महानगर पालिका की समग्रीटम



नागरिकों के मांगने से पहले ही सुविधाएं दे रही हैं। गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में पिछले 52 महीने में 17,544 करोड़ रुपये के खर्च से 11000 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन हुआ है। इसके बदले गांधीनगर के सांसद के रूप में उन्होंने राज्य सरकार और स्थानीय लोगों को बधाई दी।

केन्द्रीय मंत्री शाह ने कहा कि एक काम करने में 50 वर्ष लगे, वैसे 4 काम प्रधानमंत्री ने रेन्ड्र मोदी के नेतृत्व में महज 3 महीने में पूरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जी-20 समिट के अभ्युपर्व आयोजन से विश्वस्तर की ख्याति मिली। इसमें दिल्ली डेकलरेशन की स्वीकृति सभी भारतीयों के लिए

गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि अफ्रीकन यूनियन को जी-20 में शामिल कर नरेन्द्र मोदी ने विश्व को संदेश दिया कि भारत विकसित और विकासशील देशों के साथ है। जी-20 का यह सफल आयोजन अन्य देशों के लिए चुनौती बन जाएगा। शाह ने चंद्रयान की सफलता, नारी शक्ति वंदन कानून, पीएम विश्वकर्मा योजना का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के उत्कृष्ट नेतृत्व और मार्गदर्शन के माध्यम से आधुनिकता के साथ सर्वांगीण विकास के माध्यम से 'आत्मनिर्भर गुजरात' से 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि आज राज्य में सड़कों, पुलों, उद्यानों, झीलों सहित विभिन्न बुनियादी सुविधाओं के माध्यम से शहरी विकास को एक नई दिशा मिली है। देश और राज्य में बुनियादी सुविधाओं के विकास की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि

गुजरात के इतिहास में इस साल का सबसे बड़ा 3 लाख करोड़ का बजट दिया गया है।

इस बजट में बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों को प्राथमिकता दी गई है और अगले पांच वर्षों में बुनियादी ढांचा विकास क्षेत्र में पांच लाख करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है। मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद मेट्रो, बीआरटीएस, समेत अन्य विकास प्रकल्पों के जरिए लोगों को मिल रही सुविधाओं का उल्लेख किया गया है। इस अवसर पर कुल चार तालाबों समेत एक पिंक टॉयलेट, ओवरहेड टंकी, त्रागड़ का ललिता गेविंद उद्यान, कम्युनिटी हॉल, एमएस पाइपलाइन समेत एएमसी और औडा के विकास प्रकल्पों का वर्चुअली लोकार्पण और भूमिपूजन किया। राज्य के सहकरिता मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, सांसद डॉ. किरीट सोलंकी, हंसमुख पटेल, नरहरि अमीन समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## क्रिकेट मैच धमकी मामले में स्टेडियम की सुरक्षा के लिए एजेंसियां अलर्ट

-गुजरात पुलिस केन्द्रीय एजेंसियों के साथ करेगी काम

-जांच में एनआईए, रॉ और सेंट्रल आईबी साथ आएंगी

अहमदाबाद। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच के दौरान खालिस्तानी आतंकियों की धमकी को लेकर राज्य की पुलिस के साथ केन्द्रीय एजेंसियों अलर्ट है। खालिस्तानी आतंकी ने ऑडियो क्लिप में अहमदाबाद साइबर क्राइम के साथ देश की टॉप जांच एजेंसी मिलकर काम करेगी। अहमदाबाद साइबर क्राइम ने खालिस्तानी समर्थक पन्नू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इसके केस में अब देश की टॉप जांच एजेंसी एनआईए, रॉ, सेंट्रल आईबी शामिल हो गई है। अहमदाबाद साइबर क्राइम के डीसीपी अजीत राजियाण ने मीडिया को बताया कि साइबर क्राइम के साथ अब सेंट्रल की जांच एजेंसियां जुड़ कर



इस मामले में अहमदाबाद साइबर क्राइम के साथ देश की टॉप जांच एजेंसी मिलकर काम करेगी। अहमदाबाद साइबर क्राइम ने खालिस्तानी समर्थक पन्नू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इसके केस में अब देश की टॉप जांच एजेंसी एनआईए, रॉ, सेंट्रल आईबी शामिल हो गई है। अहमदाबाद साइबर क्राइम के डीसीपी अजीत राजियाण ने मीडिया को बताया कि साइबर क्राइम के साथ अब सेंट्रल की जांच एजेंसियां जुड़ कर

काम करेगी। खालिस्तानी आतंकी गुरुपतवंत सिंह पन्नू की ओर से जारी ऑडियो क्लिप में कहा गया है कि क्रिकेट वर्ल्ड कप नहीं, बल्कि 5 अक्टूबर से टेरर वर्ल्ड कप शुरू होगा। मोदी स्टेडियम में मैच के दिन महज खालिस्तानी का झंडा ही देखने को मिलेगा।

हरदीप सिंह निझर की हत्या का बदला जरूर लिया जाएगा। आगामी 5 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप क्रिकेट के पहले मैच में खालिस्तानी आतंकी संगठन की धमकी पर अहमदाबाद के साइबर क्राइम जांच में प्राथमिकी दर्ज की गई है। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के आतंकवादी गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच को लेकर धमकी दी है।

शाजापुर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी मध्य प्रदेश के कालापीपल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोलायकला में आयोजित की गयी जन आक्रोश यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राहुल गांधी विमान से इंदौर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने उनकी अगवानी की। इसके बाद राहुल गांधी सड़क मार्ग से पोलायकला पहुंचे, जहां जन आक्रोश यात्रा की जनसभा को संबोधित किया। सभा में पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, रणदीप सिंह सुरेजवाला, जीतू पटवारी समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के सामने एक ही मुद्दा है-

जातीय जनगणना। ओबीसी कितने हैं? उनकी भागीदारी कितनी होनी चाहिए? उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार आने पर यह पहला काम हम करके दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण से पहले सर्वे की क्या जरूरत है? महिला आरक्षण में ओबीसी आरक्षण क्यों नहीं है? जबकि नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि ओबीसी के नेता हैं। इससे पहले पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने भी सभा को संबोधित किया है।

## बच्चों के भविष्य निर्माण में शिक्षकों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका: सिंधिया

-श्याम वाटिका में हुआ 400 से

अधिक अतिथि शिक्षकों का सम्मान

ग्वालियर। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री जयोतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि शिक्षक समाज के शिल्पकार होते हैं। बच्चों के भविष्य निर्माण में शिक्षकों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिस प्रकार मिट्टी शिल्पकार माटी को ढालकर सुंदर-सुंदर कलाकृतियां गढ़ते हैं, उसी प्रकार शिक्षक भी नैनिहालों के भविष्य को गढ़ने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के शिक्षकों के कंधों पर परिवार, शहर और राज्य का ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण देश के बच्चों के भविष्य निर्माण का जिम्मा है।

शिक्षक का कार्यसिर्फ बच्चों को पढ़ाने तक नहीं होता, वह माता और पिता के स्वरूप में भी बच्चों को अच्छे संस्कार देने वाले होते हैं।



सिंधिया शनिवार को ग्वालियर स्थित श्याम वाटिका में आयोजित अतिथि शिक्षकों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कहा कि अतिथि शिक्षकों के हितों की चिंता सरकार पूरी शिद्दत के साथ कर रही है। समारोह में 400 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह ने की। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अभ्य चौधरी, अशोक शर्मा, मीना सचान, जसवंत जाटव सहित आदि उपस्थित थे।

राशि

पांच साल में केंद्र से छत्तीसगढ़ को हजारों करोड़ रुपये मिले हैं।

## छत्तीसगढ़ में इस बार परिवर्तन तय : प्रधानमंत्री



## पीएम मोदी व हिन्दू धर्म पर टिप्पणी करने का आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@पटना/मुजफ्फरपुर बिहार में मुजफ्फरपुर जिले की सकरा थाना क्षेत्र अंतर्गत दरधा गांव से शुक्रवार रात एक मुस्लिम युवक को आपत्तिजनक पोस्ट प्रधानमंत्री और हिन्दू देवी देवताओं के खिलाफ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोपित मोहम्मद आकिब ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। पुलिस को युवक के मोबाइल फोन में सोशल मीडिया पर अनेकों भड़काऊ पोस्ट देखने को मिले हैं, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित हिन्दू धर्म के देवी देवताओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी लिखी गई है।

फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। इस बाबत डीएसपी पूर्वी ने बताया कि एक युवक ने सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने वाला पोस्ट किया था। इसकी गंभीरता को देखते हुए सकरा थाना पुलिस की टीम ने बीती



**आरोपित मोहम्मद आकिब ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। पुलिस को युवक के मोबाइल फोन में सोशल मीडिया पर अनेकों भड़काऊ पोस्ट देखने को मिले हैं, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित हिन्दू धर्म के देवी देवताओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी लिखी गई है।**

देर रात उसके घर पर छापेमारी कर पकड़ा है। उन्होंने बताया कि जिन लोगोंने सोशल मीडिया इस पोस्ट को शेयर किया या फिर आपत्तिजनक कमेंट किया गया होगा उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी। धार्मिक

भावनाओं को ठेस पहुंचाना या किसी के खिलाफ अपमानित या अभद्रता पूर्वक आपत्तिजनक टिप्पणी करके माहौल खराब करने वाले या कानून को अपने हाथ में लेने वाले को पुलिस कर्तव्य नहीं बख्शेगी।

## कुशासन के सरकार में ठाकुर ही नहीं हिन्दू होना भी है पाप: राजीव कुमार

बीएनएम@पटना



केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह फैस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता राजीव कुमार ने शनिवार को कहा कि आखिर राजद की सच्चाई सभी के नजर में आ गई। इस कुशासन की सरकार में ठाकुर ही नहीं हिन्दू होना भी पाप है और महिला होना अधिशाप है। राजीव कुमार ने कहा कि राजद की टीम में सभी चरवाहा विद्यालय के विद्यार्थी हैं। महिलाओं के खिलाफ बोलने से पहले एक बार अब्दुल बरी सिद्दीकी और राजद विधायक भाई वीरेंद्र को सोचना चाहिए।

उनके घर में भी महिलाएं हैं। वह अपी किसी मां के ही संतान हैं उनके घर में भी बहू-बेटी होगी। इस तरह से क्षणिक राजनीतिक बयानबाजी और मीडिया में बने रहने की नौटंकी ना करें। कहीं यह भी हो सकता है कि चरवाहा विद्यालय का यह असर है और उनके घर में जो महिलाएं होंगी वह ना तो कभी

लिपस्टिक और न ही बॉब कट करती होंगी। राजीव कुमार ने कहा कि जो खुद चरवाहा विद्यालय से पढ़ा हो वह क्या जाने पढ़ाई क्या चीज़ होती है। एक पढ़ा लिखा इंसान अच्छे संस्कारों वाले इंसान बातचीत से ही दिख जाता है। अनपढ गवार की तरह कुछ भी बोल देना यह संस्कार ही नहीं कहलाता है। चरवाहा विद्यालय का ही असर है लालू द्वारा खोले गए विद्यालय के छात्र रहे हैं भाई वीरेंद्र।

## सास ने मांगी चाय तो उसकी बहू ने खाली लिया जहर

नवादा। नवादा में घेरलू कलह का एक मामला सामने आया है, जहां सास द्वारा शनिवार को बहू को चाय बनाने के लिए कहा गया, जिसके बाद बहू ने आपा खोते हुए चूहे मारने वाली दवा खा ली। फिलहाल इस घटना के बाद महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की गैरमौजूदगी में परिचारी द्वारा इलाज किया जा रहा है। ये पूरा मामला नवादा के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव का है, जहां सास अपनी बहू से चाय बनाने के लिए कही तो बहू ने चूहे मारने वाली दवा खाकर सुसाइड करने की कोशिश की। चूहे मारने वाली दवा खाने के बाद बहू ने कमरे का अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद सास ने तुरंत शोर मचाना शुरू कर दिया जिसके बाद मोहल्लेवासियों ने कमरे का दरवाजा खोला और फिर बहू को बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान उसका पति भी अस्पताल पहुंचा।

## दुर्भावना मापदण्ड निर्धारित करने में बिहार के हित की अनदेखी की जाती है। केंद्रीय करों में राज्यों की हिसोदारी केंद्र की कृपा नहीं: वित्त मंत्री

पटना। बिहार सरकार में जदयू कोटे से वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने शनिवार को जानकारी दी कि केंद्रीय करों में राज्यों की हिसोदारी में केन्द्र की कोई सहायता या कृपा नहीं होती है। यह वित्त आयोग द्वारा निर्धारित मापदण्डों के आधार पर निर्धारित की जाती है और वर्ष 2023-24 के लिए बिहार को 1,02,000 करोड़ (एक लाख दो हजार करोड़) रुपये मिलनी है।

विजय चौधरी ने कहा कि बिहार के पूर्व वित्त मंत्री का यह बयान भ्रामक है कि बिहार को केन्द्र अधिक सहायता करता है, भ्रामक एवं तथ्यहीन है। छ: महीने यानि आधे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सिर्फ 42000 करोड़ रुपये ही मिले हैं, जो आधे से भी कम हैं। दूसरे, केन्द्रांश की बची राशि के ब्याज का भुगतान सालाना तौर पर बिहार सरकार द्वारा समय से किया जाता



**छ: महीने यानि आधे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सिर्फ 42000 करोड़ रुपये ही मिले हैं, जो आधे से भी कम हैं। दूसरे, केन्द्रांश की बची राशि के ब्याज का भुगतान सालाना तौर पर बिहार सरकार द्वारा समय से किया जाता है।**

है। अभी तक इस आधार पर कोई आवंटन नहीं रुका है। विजय चौधरी ने कहा कि वित्त आयोग द्वारा मापदण्ड निर्धारित करने में ही बिहार के हित की अनदेखी की जाती है। प्रति व्यक्ति आय, जनसंख्या का घनत्व आदि जैसे, गरीबी से जुड़े सूचकांकों को

राशि के क्षेत्रिक बंटवारे में तरजीह नहीं दी जाती है, जिसके कारण बिहार के हकमारी की स्थिति पैदा होती है। लगता है कि पूर्व उप मुख्य मंत्री समझते तो जरूर होंगे परंतु केन्द्र की अंधभक्ति में जान-बूझकर बिहार की जनता को गुमराह करते हैं।

## सुशील ने चेताया, ललन सिंह के चलते जदयू के पास अब विलय या विलीन होने का विकल्प

बीएनएम@पटना



पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि जदयू के कैबिनेट मंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष के बीच टकराव सार्वजनिक हो रहा है। पार्टी के एक विधायक नीतीश कुमार के प्रिय मंत्री अशोक चौधरी पर हत्या करने की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं। अन्तर्कलह चरम पर है। शनिवार को बयान जारी कर उन्होंने कहा कि जदयू टूटने की ओर बढ़ रहा है और अगले चुनाव से पहले ललन सिंह की पार्टी का राजद में विलय होगा या इसका अस्तित्व विलीन हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि जब नीतीश कुमार ने राजद के तेजस्वी प्रसाद यादव को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया, तभी से पार्टी में घुटन बढ़ी और टूटन शुरू हुई। यदि जदयू समाप्त हुआ, तो उसकी बड़ी वजह ललन सिंह



इंडिगो ने इस यात्री के बारे में शिकायत की थी कि उसने फ्लाइट में गलत व्यवहार किया और फ्लाइट में खुद को टॉयलेट में भी बंद कर लिया। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के एसएचओ विनोद पीठर ने बताया कि यात्री कमर रियाज मानसिक रूप से बीमार है और उसका इलाज चल रहा है। उसके इलाज की मेडिकल रिपोर्ट है। हैदरबाद से पटना की यात्रा में उसका चर्चे भाई भी उसके साथ था। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है।

## सरकार ने बिहार कैडर के पांच आईएएस अधिकारियों के कर दिए तबादले

पटना। बिहार कैडर के पांच आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण शनिवार को किया गया। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। नीतीश सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1995 बैच के आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी को योजना एवं विकास विभाग का प्रधान सचिव बनाया है। इनके पास बिहार राज्य योजना पर्षद के सचिव और बिहार आपदा पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण सोसाइटी के निदेशक के अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा।

अरविंद कुमार चौधरी पहले विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल को नगर एवं नगर विकास एवं आवास विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। इन्हें मेट्रो के प्रबंधन निदेशक का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पर्यटन विभाग के सचिव अध्यक्ष कुमार सिंह को सूचना प्रावैधिकी विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। बिहार राज्य योजना परिषद के परामर्श प्रभाकर को स्थानांतरित कर कंफेड का प्रबंधन निदेशक बनाया गया है।

# आंगनबाड़ी सेविका का अनिश्चित कालीन हड्डताल जारी

तुरकौलिया/कोटवा। आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका का अनिश्चितकालीन हड्डताल शनिवार दुसरे दिन भी जारी रहा। बिहार राज आंगनबाड़ी संयुक्त संघर्ष समिति के आद्वान पर संघ के प्रखंड अध्यक्ष विभा कुमारी की अध्यक्षता में हड्डताल जारी है। बाल विकास परियोजना कार्यालय के समक्ष सभी सेविका और सहायिका अनिश्चितकालीन हड्डताल पर बैठ रहीं हैं। प्रखंड अध्यक्ष विभा कुमारी ने बताया कि सरकार से मांग किया जा रहा है कि आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देते हुए 25 हजार रुपए मानदेय किया जाए।

जबतक सरकार मांग नहीं मानेगी तबतक अनिश्चितकालीन हड्डताल जारी रहेगा। वही मीडिया प्रभारी चंदा यादव ने बताया कि मांगों को लेकर करीब 6 पहले भी अनिश्चितकालीन हड्डताल किया गया था। जो लगातार 15 दिनों तक चला था। जहां समाज कल्याण विभाग पटना के सचिव ने वार्ता करते हुए आश्वासन दिया



था कि आप लोग अपना हड्डताल समाप्त कर दिजिए। आप लोगों के मांगों पर शीघ्र ही विचार किया जाएगा। संघ और सरकार के बीच हुई बातचीत के दौरान मिले

आश्वासन के बाद हड्डताल समाप्त कर दिया गया था। आश्वासन मिलने के बाद हड्डताल तो समाप्त कर दिया गया। लेकिन सरकार अपने वादे से पलट गई है।

आज तक सरकार के तरफ से कोई ठोस कदम भी नहीं उठाया गया है। सरकार के वादाखिलाफी से आक्रोशित सेविका व सहायिका ने अनिश्चितकालीन हड्डताल पर जाने का निर्णय लिया है। जहां पर शनिवार से ही लोग अनिश्चितकालीन हड्डताल पर हैं। जबतक सरकार हमलोंगों की मांग मान नहीं लेती है तबतक हड्डताल जारी रहेगा। इसबार खोखले आश्वासन से काम नहीं चलने वाला है। एक बार वादा करके सरकार मुकर चुकी है।

हड्डताल में प्रखंड के अध्यक्ष विभा कुमारी, सचिव प्रतिभा देवी, एवं मीडिया प्रभारी चंदा यादव, जिला मीडिया प्रभारी सह वरीय उपाध्यक्ष प्रभा कुमारी, उमा देवी, रेणु देवी, उर्मिला देवी, उषा कुमारी, पूनम कुमारी, कोषाध्यक्ष नीरज कुमारी सहित सैकड़ों आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका इसमें शामिल रही हैं।

कोटवा प्रखंड अंतर्गत सेविका सहायिका संघ द्वारा हड्डताल के प्रथम दिन संघ द्वारा कोटवा बालबिकास परियोजना सेविका, सहायिका शामिल हुई।

## पूर्व सांसद आनंद मोहन का किया पुतला दहन



बीएनएम@शिवहर। पूर्व सांसद आनंद मोहन का किया पुतला दहन, शिवहर शहर के जीरोमाइल चौक पर परशुराम सेना के द्वारा पूर्व सांसद आनंद मोहन का किया पुतला दहन, ब्राह्मणों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के विरोध में पुतला दहन किया गया।

ब्राह्मणों का अपमान, अब नहीं सहेगा हिंदुस्तान। नारों के साथ पूर्व सांसद आनंद

मोहन द्वारा ब्राह्मणों पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में परशुराम सेना शिवहर के द्वारा जीरोमाइल चौक पर पुतला दहन किया गया है। मौके पर परशुराम सेना सीतामढी जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन मिश्रा, शिवहर जिला अध्यक्ष कहै या पाण्ड्ये, एवं परशुराम सेना जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा, प्रभास कुमार, निखिल कुमार, संजय पांडेय समेत लोग मौजूद थे।

बीएनएम@ मोतिहारी। जनपद में 29 सितंबर को गणेश पूजा विसर्जन पर धर्म समाज रोड मध्यबन छावनी चौक पर जेहादियों द्वारा प्रतिमा पर तेजाब फेके जाने के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद बजरंगदल और हिन्दू सुरक्षा समिति ने आज द्वारा देवी स्थान पर धरना दिया।

मौके पर नगर विधायक प्रमोद कुमार और भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश अस्थाना भी उपस्थित थे। दो घंटा धरना चलने के बाद नगर थाना छतौनी थाना तथा मुफसिल थानाध्यक्ष धरना स्थल पर पहुंचे और अश्वासन दिए कि एक सप्ताह के अन्दर हमलावर गिरफ्तार कर लिए जाएं और विहिप ने एक ज्ञान दिव्या और कहा कि हर हिन्दू पर्वों पर एक सुनियोजित साजिश के तहत हमले कर दंगा फैलाने का प्रयास जेहादियों द्वारा किया जाता है। सरस्वती पूजा दूर्गा पूजा महावीरी झंडा गणेश पूजा इत्यादि में एक षड्यंत्र के तहत दंगा फैलाने

का प्रयास जेहादियों द्वारा किया जाता है और उल्टे हिन्दुओं पर मुकदमे करके उन्हें जेल भेज दिया जाता है। यदि हमलावर गिरफ्तार नहीं हुए और हमारे पर्वों की सुरक्षा नहीं बढ़ाया गया तो सम्पूर्ण हिन्दू समाज सङ्को पर जेहादियों के खिलाफ उतरेगा। एक सप्ताह के अन्दर गिरफ्तारी के अश्वासन और कल बीपीएससी की परीक्षा को देखते हुए बन्द को वापस लिया गया और प्रशासन को एक सप्ताह का समय दिया गया। मौके पर पूजा समिति के सुमित

कुमार, मुकेश कुमार, सोनू कुमार, ओमप्रकाश कुमार, धीरज जायसवाल और बजरंगदल के विभाग संयोजक जितेन्द्र कुशवाहा, जिला संयोजक हेमनत कुमार, सह संयोजक उद्देश्य गुप्ता, रत्नेश कुमार, राजा कुमार, नगर संयोजक राहूल सिंह, शेखर पाण्डेय गोरक्षा प्रमुख कहै या कुमार धर्मेन्द्र ठाकुर जिला प्रचार प्रमुख आनन्द प्रकाश नगर प्रचार प्रसार प्रमुख सूरज बरजतिया सहित भारी संख्या में हिन्दू समाज के लोग उपस्थित थे।

## बगहा के वाल्मीकि नगर में राजकीय पथ पर पेड़ गिरने से घंटो आवागमन रहा ठप

पोषण माह पोषक तत्वों से भरपूर फलों को काटकर सभी बच्चों के बीच वितरित किया गया।

## नेहरू स्टेडियम स्थित केंद्रीय विद्यालय में मनाया गया रष्ट्रीय पोषण माह

बीएनएम@ मोतिहारी। नेहरू स्टेडियम स्थित केंद्रीय विद्यालय में 19 सितंबर से पंच प्रण प्रतिज्ञा के साथ आरंभ राष्ट्रीय पोषण माह शनिवार को समाप्त हो गया। प्राचार्य बालेश्वर राम ने राष्ट्रीय पोषण माह, 2023 में इस वर्ष की थीम “सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत” के रेखांकित कर शिक्षकों व विद्यार्थियों को उद्देश्यित करते हुए कहा कि पोषण माह का मुख्य उद्देश्य उन प्रथाओं को बढ़ावा देना है जो बीमारियों व कुपोषण की समस्या का समाधान कर व्यक्तियों के स्वास्थ्य व प्रतिरक्षा में सुधार करती है।

जात हो कि 19 सितंबर से पंच प्रण प्रतिज्ञा के साथ आरंभ राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। वहाँ 20 सितंबर को विद्यालय के विद्यार्थियों ने संतुलित आहार से संबंधित लघु नाटिका की प्रस्तुति द्वारा सुपोषण



का संदेश दिया। 21 सितंबर को विद्यार्थियों के बीच नारा लेखन प्रतियोगिता द्वारा पोषण-समृद्ध भारत, शिक्षित भारत, सशक्त भारत को प्रोत्साहित किया गया। शनिवार को प्रारंभिक संभाग के बच्चों द्वारा लाए गए पोषक तत्वों से प्रचुर खीर, अमरुद, चुकंदर, केला, अनार

व पपीता जैसे फल-संजियों की प्रदर्शनी के साथ राष्ट्रीय पोषण माह समाप्त हो गया।

सभी विद्यार्थियों को किफायती स्वस्थ आहार के बारे जानकारी दी गई। प्राचार्य बालेश्वर राम ने बच्चों को पैकेज्ड फूड व जंक फूड सेवन के दुष्परिणामों से अवगत कराते

हुए उसे खाने से सख्त मना किया। उन्होंने बच्चों को सदा हेल्दी फूड ही खाने को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ आहार स्वस्थ वजन में सहायता, ऊर्जादायक, प्रतिरक्षा प्रणाली की मजबूती, एकाग्रता में वृद्धि, मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव, दीर्घायु जीवन एवं पुरानी बीमारियों के जोखिम को न्यूनतम करता है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने बच्चों द्वारा लाए गए पोषक तत्वों से भरपूर फलों को काटकर सभी बच्चों के बीच वितरित किया। पोषक तत्वों से प्रचुर फलों का रसास्वादन कर विद्यार्थी काफी उत्साहित नजर आए। मौके पर सुपोषण प्रेमी शिक्षकों की ओर से शांतला सिंह, रत्नेश कुमार, शिवम कुमार, अरविंद कुमार, नीतेश कुमार एवं विद्यार्थियों की ओर से स्नोहिल रंजन, सागर जायसवाल, सलोनी प्रिया, अन्वेषा, स्वैटी बाला सहित विद्यालय के अन्य कर्मी उपस्थित रहे।



## विविधा

# पुस्तक समीक्षा : स्त्री पुरुष समानता का पोषक कविता संग्रह है 'सहसा कुछ नहीं होता'

शिवकुमार शर्मा



कविता किसी विषय को दिल से दिलों तक पहुंचाने की अन्यतम विधा है। कविता सामाजिक विषयों का दर्पण है, कविता दर्शन और रचनात्मक विचारों का लोकार्पण है।

कविता संग्रह में नारी जीवन के विभिन्न पहलुओं को उनके आयतन, क्षेत्रफल, जड़त्व, गुरुत्व का विश्लेषण करते हुए भिन्न भिन्न दृष्टिकोण से परिभाषित ही नहीं किया अपितु नारी की नियति और नारी जीवन के बाह्य-अध्यंतर सत्य को दृढ़ता पूर्वक उद्घाटित किया गया है। एक ओर उनके कविताओं में औरत की दशा को चिंतन का विषय बनाकर सामाजिक पटल पर रखा गया है तो वहाँ दूसरी ओर पाशुविक व्यवहार की पराकाष्ठा के पार जाकर स्त्री की पीड़ा को घनीभूत करने वाली विडंबनाओं को भी उकरा गया है।

रक्षा जी की कविताएं नारी के प्रति नृशंश

व्यवहार पर सीधे मिसाइल की तरह से प्रहर करने वाली है। रचनाकार अपनी कविताओं में संसार की रचनाकार की कोमल भावनाओं, करुणाशीलता और सहनशीलता की कथा कहतीं दृष्टिगोचर होती है तो वही दूसरी ओर विकसित कहे जाने वाले समाजों में स्त्री के ठगे जाने की व्यथा को प्रकट करने से भी नहीं चूकतीं हैं।

उनकी कविताएं प्रकृति, मानव प्रवृत्ति, राजनीति, लोकनीति, बहुत से विषयों को छूती हैं तो रीति-नीति का विश्लेषण करतीं तथा कुरीति और अनीति के समापन का सुझाव देती हैं। कविता 'प्रोडक्ट' में उपभोक्तावाद और नारी की दशा तथा 'व्यथा' में कन्या भूषण हत्या एवं 'कुवेराक्षी' में जिसमपरोशी का दर्द उजागर हुआ है। शोर्षक 'अच्छी औरतें' और 'चरित्रहीन औरतें' स्त्री के प्रति सोच और व्यवहार पर करार तमाचा है।

औरत के हिस्से में आया 'अधूरी नींद का पूरा सपना' तथा अपने ही उत्सव में शाम तक श्री हीन हो चुकी होती घर की लक्ष्मी' दर्द भरा यथार्थ है। स्त्री लता है। कवियत्री अपेक्षा करती है पेड़ की मजबूती किसी और लता के लिए थी, खुद क्यों नहीं हो जाती है पेड़ वह कविता

दियासलाई में दुनिया को बताना चाहती है कि वह मोमबत्ती और दियासलाई जो रोशन करने के साथ-साथ माद्दा रखती है दुनिया को खाक कर देने का भी।

'जीवन की सांझ' जेंडर इक्वलिटी पर लिखी गई टीका है। कविता 'सवामणी' गरीबशाख का सार संक्षेप है। प्रोडक्ट, मिक्सर, सिंफनी, ग्रे शैड नेल कटर, कवर, फेसबुक कपल, ब्रांडेड बार, स्वीट कॉर्न जैसे आंग भाषा के शब्दों का समरसता पूर्वक किया गया प्रासंगिक प्रयोग भी भाषाई दृष्टि से पाठकों को खटकने वाला नहीं है।

वहीं दफ्तर इंतेहाई, खूबसूरत, तरबियत, बेतरतीब, महफूज, शातिर, खफीफ, मुतमिन जैसे अरबी तथा आबाद, जुम्बिश, शोख जर्द गुज़स्ता, दरमियान, खुशहाल, पेशानी पेशीदगी आदि फारसी शब्दों का प्रयोग भी माकूल ढंग से किया गया है।

भाषा का भाव के साथ अप्रतिम सम्प्रदेशने को मिलता है। मुझे में बंद वर्क की मानिंद' तथा 'मुझे में बंद रेत सा सरकन' जैसी उपमाएं दृष्टव्य हैं।

कविता काव्य की कसौटी पर कैसी है यस मुतबहिरर या कृतमुख का विषय है। 'जहां

मुस्कान आभूषण है और ठहाका वर्जित' ऐसे हालातों में औरत परवरिश और परिवेश के बीच संतुलन साधती नजर आती है।

कठोरता से न को कहने के लिए समूचे नारी जगत का आवाहन कृति कविताएं स्त्री पुरुष समानता का अनुष्ठान पूरा करने के लिए मूल मंत्र हैं।

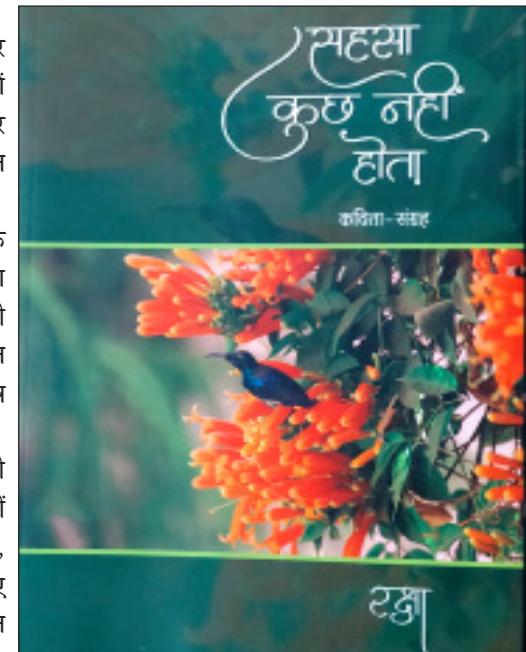
कविता 'उस दिन' की पंक्तियां जब स्त्री की देह नहीं बल्कि उसका परिश्रम, पसीना बने, कविता के लिए सौंदर्य का उपमान, उस दिन धरती का अपनी धुरी पर संतुलन सबसे ज्यादा होगा शक्ति तत्व की महत्ता प्रतिपादित करती हैं।

समाज में स्त्री के प्रति सोच में अपेक्षित बदलाव की दिशा

का निर्धारण स्त्री पुरुष समानता के मानदंडों की स्थापना में रक्षा जी की कविताएं नींव की

ईंट साबित होगीं।

Shivkumarbhind@gmail.com



पुस्तक का नाम -सहसा कुछ नहीं होता (कविता संग्रह)

रचनाकार -रक्षा दुबे (चौबे)

प्रथम संस्करण -2021

प्रकाशक बोधि प्रकाशन, जयपुर मूल्य- 175/-

# आत्मविश्वास : आत्मज्ञ ही हो सकता है आत्मविश्वासी

सिद्धार्थ अर्जुन, कवि/लेखक

दूटते और बिखरते हुये लोगों को प्रायः यह सलाह दी जाती है कि वह अपना आत्मविश्वास न खोयें, महान लोगों के बारे में भी कहा जाता है कि अमुक-अमुक जन बड़े आत्मविश्वासी थे।

वास्तविकता भी यही है कि आत्मविश्वास एक बहुत ही अद्भुत चीज है परंतु मुझे जो बात सबसे ज़्यादा खटकती है वह यह कि लोग कहते हैं कि आत्मविश्वास मत खोना, कोई भी आत्मविश्वास अर्जित करने की बात नहीं करता.. कोई यह चर्चा नहीं करता कि आत्मविश्वास पाया कैसे जाये, अब जो चीज़ सामने वाले के पास है ही नहीं आप उससे वह चीज न खोने देने की बात कर रहे हैं, ऐसे में उसका क्या भला होगा, उल्टे परेशानी बढ़ना तय है।

हम बात करेंगे आत्मविश्वास अर्जित करने

'आत्म' को...अर्थात् आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही सकता है।

के बारे में, अगर मैं आपसे यह प्रश्न करूँ की आत्मविश्वास क्या है तो आपका जवाब क्या होगा? आत्मविश्वास के बारे में मैं जो पाया वह यह कि आत्मविश्वास एक मानसिक अवस्था है, वह अवस्था जिसमें हमें अपनी सामर्थ्य का विधिवत बोध होता है और यह तो शास्त्र सत्य है कि बुद्ध विचलित नहीं होते, आत्मविश्वास को अर्जित करना भी बोध तक की यात्रा है जिस क्षण आपको बोध हो गया उसी क्षण आपमें आत्मविश्वास प्रस्फुटित हो जायेगा, फिर आपको उसे खोने से बचाना होगा। अब प्रश्न यह होगा कि बोध कैसा? इस प्रश्न का उत्तर भी एक प्रश्न में निहित है वह प्रश्न यह है कि आप विश्वास किस पर

करते हैं, अर्थात् विश्वास का मानक क्या है? मेरी खोज कहती है कि विश्वास का मानक है जानना, अर्थात् हम विश्वास उसी पर करते हैं जिसे हम जानते हैं और विश्वास करना भी उसी पर चाहिये हम जानते हों, यहाँ पर जानने

**शिवानन्द सिंह 'सहयोगी' मेरठ**

मनु को कष्ट नहीं होना है होगा प्रलय!

किंतु यह सच है, सब कुछ नष्ट नहीं होना है। प्रकृति हमारी प्राणदायिनी, नहीं मरेगी, आया हो कोई दुख अविहित, स्वयं हरेगी, होगा अनय! किंतु यह सच है, मन यह तष्ट नहीं होना है। किसी भयानक डर, अकाल से, नहीं डरेगी, बुरे दिनों के, हर हालत में, पेट भरेगी, होगा डयन! किंतु यह सच है, पहिया भ्रष्ट नहीं होना है। अंतरिक्ष, संपूर्ण लोक का, एक होगा, काम सभी झटपट निबटेगे, ठेका होगा, होगा चयन! किंतु यह सच है, मनु को कष्ट नहीं होना है।



का अर्थ थोड़ा गहरा है अतः तलहटी में हाथ-पैर पटक कर इसका अर्थ लगाने की त्रुटि कदापि न करें, यह स्पष्ट हो चुका है कि विश्वास का मानक है जानना, अब आइये आत्मविश्वास पर तो आत्मविश्वास का मानक भी 'जानना' ही होगा, किसे जानना?

'आत्म' को...अर्थात् आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है तो हम जिस प्रश्न को लेकर चले थे कि बोध कैसा, तो उसका उत्तर है आत्मबोध अर्थात् अपनी शक्ति और अपनी प्रवृत्ति का बोध, उदाहरण के तौर पर

देखिये सूरज को, नदी को, समुद्र को...यह कभी विचलित नहीं होते क्योंकि इन्हे आत्मबोध होता है। इस प्रकार आत्मविश्वास के प्राकृत्य का मार्ग यही है कि आप अपने अंदर की यात्रा करें अपने आपको समझें, अपनी सामर्थ्य को जानें, फिर उसके बाद यह बात अच्छी लगेगी जब कोई कहेगा कि आत्मविश्वास खोने मत देना, क्योंकि इस समय तक आपके पास आत्मविश्वास होगा।

आत्मविश्वास का अध्याय यहीं पर समाप्त नहीं होता परंतु आत्मविश्वास की आधारशिला यहीं से शुरू होती है तो चलिये प्रयास करते हैं, आत्म को जानने का अर्थात् आत्मविश्वासी होने का।

## ©सरस्वती धानेश्वर भिलाई छत्तीसगढ़

### मुखोटा

सियासत जब अपना मुखोटा खोल देती है  
इंसानियत फिर अपने सब को आजमाना छोड़ देती है!  
साजिशें बुलंद होती हैं, जब अमीरी की पनाहों में,  
सच्चाई फिर अपना दामन छोड़ देती है!



रचते हैं स्वाग वो बन- बन कर मदारी,  
दुनिया फिर उनके इशारों पर नाचना छोड़ देती है!

हुक्मतें सजकर, गलियारों से पहुंचती हैं जब संसद तक,



अशोक व्यास

आई लव इंडिया  
यहाँ तक तो ठीक  
है और हम सब  
इंडिया को लव  
करते हैं यह भी सब  
जानते हैं लेकिन

आई लव मीडिया का नारा कोई कैसे बुलंद कर सकता है? मीडिया को भी कोई लव करता है? कैसी बात कर रहे हैं आप हमारा तो मोटो है आई लव इंडिया और आप बीच में आई लव मीडिया कहाँ से ले आए, रुकिए, रुकिए मेरी बात ध्यान से सुनिए असल में क्या है कि हम भारतीय बहुत उत्सव प्रिय हैं यह बात तो पूरा विश्व जानता है और जब हम चोबीस गुणा तीन सौ पेंसठ दिन उत्सव मनाएंगे तब उसे दिखायेंगे ही नहीं तो क्या फायदा इतनी उछल कूद करने का। जब दिखाने की बात आती है तब हमें मीडिया की जरूरत होगी वही तो है जो सब कुछ दिखाता है, सुनाता है, बताता है, कुछ भी नहीं छुपाता।

मीडिया चाहे कोई भी हो प्रिंट मीडिया हो, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हो या सोशल मीडिया इतने सारे मीडिया हैं तब यह हाल है कि सब को दिखाने दिखाने का समान अवसर नहीं मिल रहा है। सोचिए पुराने जमाने में क्या होता होगा, तब एक ही मीडिया काम करता था वह था मुख मीडिया, एक मुख से बात निकली और निकलकर एक से दो, दो से चार और चार से आठ मुख से निकलकर कानों तक पहुँच कर कई गुना होकर चारों दिशाओं में फ़ोकट में

## व्यंग्य: आई लव मीडिया

आपको सेलिब्रिटी बना देती थी, वैसे यह मीडिया आज भी बाकायदा सक्रियता से अपनी भूमिका निभा रहा है। इतने सारे मीडिया होने के बावजूद यही मीडिया है जो आपकी प्रशंसा या बुराई को आगे बढ़ाने का काम लगातार कर रहा है। हाँ इस मीडिया से प्यार के प्रसार के कारण इतना जरूर हुआ है कि हम बहुत सोशल होकर मुख मीडिया से

मुख्योथी (फेसबुक) तक आ गए हैं। इसलिए अन्य मीडिया के साथ बहुत सारे सोशल मीडिया हो गए हैं। मीडिया का रोल पहले भी था, आज भी है, पहले भी हम उससे प्यार करते थे, आज भी हम उससे प्यार करते हैं, कोई स्वीकार नहीं करता है लेकिन में वाइरल विडियो की कसम खाकर कहता हूं आई लव मीडिया।

मुझे याद है जब मैं छोटा था तब समाचार पत्रों में किसी बच्चे के गुमने की सूचना दी जाती थी उसका फोटो भी छपा रहता था जिसमें लिखा जाता था कि 'घर आ जाओ बेटा तुमसे कोई कुछ नहीं कहेगा' उससे प्रेरणा लेकर मैंने

हम  
जीवन के किसी भी  
आश्रम में रहते हों मीडिया  
ही हमारे जीवन को आसारा दे  
रहा है नेता अभिनेता, खिलाड़ी,  
उपदेशक आदि को बिना मीडिया के  
जीवन निस्सार लगता है भले ही  
प्रवचन कर्ता संसार को माया मोह  
कहते रहें। सुबह उठ कर सच्चा  
भारतीय 'कराग्र वसते लक्ष्मी'  
मंत्र पढ़कर हथेली नहीं देखता  
बल्कि 'कर मध्ये मोबाइल'  
लेकर सोशल मीडिया का  
अपडेट देखता है।

अपने पिताजी से कहा कि 'मेरा फोटो भी आपको अखबार में छपवाना पड़ेगा'. वह भोंहे चढ़ाकर कर कहने लगे' क्यों तुम क्या मेरिट में आये हो जो तुम्हारा फोटो अखबार में छपाना पड़ेगा'।

बेचारे पिताजी, जैसे आज भोले होते हैं वैसे ही उस समय भी होते थे, पहले भी उन्हें कुछ अतापता नहीं रहता था, बच्चों की भावनाओं को पहले भी नहीं समझते थे और आज भी समझ नहीं पाते हैं। मैंने उनके ज्ञान में वृद्धि करते हुए कहा-'जब मैं घर से भाग जाऊंगा, तब आप मेरा फोटो अखबार में छपवादेना, कम से कम इसी बहाने अखबार में मेरा फोटो तो आ जाएगा'. यह सुनकर उन्हें इतना गुस्सा आया कि उन्होंने मुझे घर से भगा भगा कर मारा और कहने लगे' खानदान की नाक कटवाने पर तुला है हमारे घर से आज तक कोई नहीं भगा और आप चले हैं भगकर काम करने'।

उसके बाद टीवी के दौर में भी वही इतिहास दोहराया गया तब एक ही अपना प्यारा सरकारी दूरदर्शन होता था उसमें भी गुमशुदा की तलाश के लिए सूचना और फोटो आते थे तब मैंने

अपनी पत्नी को सूचित किया कि 'टीवी में मेरा फोटो आ जाए, इसलिए मैं घर से गायब हो जाता हूं और तुम टीवी में मेरा फोटो भेज कर सूचना कर देना कि' तुम्हें कोई कुछ नहीं कहेगा तुम घर वापस आ जाओ'। पत्नी ने रिटर्न गिफ्ट के रूप में बच्चों को लेकर मायके जाने की धमकी दे दी थी, मैं घबरा गया लेकिन मीडिया से मोहर नहीं छूटा। मैंने कोशिश की थी अपना फोटो चुपचाप भेज कर दूरदर्शन पर छा जाऊं लेकिन उस समय भी मेट्रोसिटी के लोगों को वहाँ प्रमुखता दी जाती थी। छोटे सिटी वालों के फोटो नहीं आते थे, इसलिए वह आई लव मीडिया मैंने कैसिल कर दिया था।

कहते हैं संसार के आकर्षण से कोई नहीं बच सकता है देवता भी यहाँ आने के लिये तरसते हैं। लेकिन मीडिया के कारण इसका आकर्षण कई गुना बढ़ गया है यकीन ना हो तो बेबी बंप से लेकर बुड़े बुड़ीयों के फोटो सोशल मीडिया पर देख लो। लगता है मीडिया ने हमारे जीवन में प्रवेश नहीं किया बल्कि हम मीडिया में प्रवेश कर गए हैं। तभी तो सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक के कार्यकालप के फोटो सोशल मीडिया पर भरे पड़े हैं तभी तो रवि और कवि कहीं पहुँचे या ना पहुँचे लेकिन उसी तर्ज पर जहाँ ना पहुँचे दिवाकर वहाँ पहुँचे फोटोग्राफर की कहावत भी फ़ैल हो गई है। उसके लिये किसी को कहीं पहुँचाने की जरूरत नहीं है बस आपके हाथों में स्मार्ट फोन होना चाहिए और जहाँ चाहे वहाँ पहुँच कर चाहे तो जिन्दा प्रसारण भी कर सकते हैं तभी तो रियल लाइफ की रील बना बना कर सेलिब्रिटी बनने की होड़ लगी है।

हम जीवन के किसी भी आश्रम में रहते हों मीडिया ही हमारे जीवन को आसारा दे रहा है नेता अभिनेता, खिलाड़ी, उपदेशक आदि को बिना मीडिया के जीवन निस्सार लगता है भले ही प्रवचन कर्ता संसार को माया मोह कहते रहें। सुबह उठ कर सच्चा भारतीय 'कराग्र वसते लक्ष्मी' का मंत्र पढ़कर हथेली नहीं देखता बल्कि 'कर मध्ये मोबाइल' लेकर सोशल मीडिया का अपडेट देखता है। लाइक के लालची का विडिओ वायरल हुआ कि नहीं, सब स्क्राइब का सहारा मिला कि नहीं, शेयर की सुनामी आई कि नहीं तब जाकर वह ऊपर वाले को याद करता है।

न्यूज अच्छी है या बुरी है इससे फर्क नहीं पड़ता है बल्कि पेड़ न्यूज और फेक न्यूज के फर्क ने सोशल मीडिया पर इतना भोकाल मचा रखा है कि पेड़ और फेक के चक्कर में असल न्यूज पीछे रह जाती है जैसे खोटे सिक्के असली को चलन से बाहर कर देते हैं। सोशल मीडिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तरह हमारे जीवन में प्रवेश नहीं किया बल्कि हम मीडिया में प्रवेश कर गए हैं। तभी तो सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक के कार्यकालप के फोटो सोशल मीडिया पर भरे पड़े हैं तभी तो रवि और कवि कहीं पहुँचे या ना पहुँचे लेकिन उसी तर्ज पर जहाँ ना पहुँचे दिवाकर वहाँ पहुँचे फोटोग्राफर की कहावत भी फ़ैल हो गई है। उसके लिये किसी को कहीं पहुँचाने की जरूरत नहीं है ऐ आई की तरह मीडिया ने जीवन इतना आसान कर दिया है कि इधर कोई मरा नहीं कि उधर छुटभैया नेता से विश्व नेता तक दिवट करके फरिग हो जाते हैं नहीं तो अपना ३० शांति तो है ही ३० शांति लिखो और छुट्टी पाओ। इन्हें सारे, इतने प्यारे, इतने न्यारे मीडिया से जो करे इंकार उसका हो कैसे बेड़ापार।

महनाज नूरी  
'माही',  
शाहजहांपुर,  
उत्तर प्रदेश



मुझे सब के सब यूं गले से लगाएं,  
यह खुशबू सितारे यह पलकों के साए।।।

यह दिलकश नजारे यह रंगी फिजाएं,  
मोहब्बत के जुगनू बहारों के साए।।।

मिटा ना सकेगा ज़माना यह मुझको,  
मेरे सर पे मां की दुआओं के साए।।।

सताएगा कैसे गम-ए- हिज्ज़ उसको,  
जिसे घेर लेते हों यादों के साए।।।

मिलेगी हमेशा उसी को ही मंज़िल,  
जो तूफां से कशती को खुद लेके आए।।।

हथेली पे जान अपनी लेकर चली हूं,  
कहाँ तक कोई अपने सर को बचाए।।।

यह 'माही' मां की दुआ का असर था,  
की खुद मुझको तूफां किनारे पे लाए।।।

## लघु कथा: माँ

भगवती सकरेना गौड़, बैंगलोर



जोर जोर से कोई दरवाजा खटखटा रहा था, नीता दौड़ कर गयी और खोला, देखा ट्रिवंकल खड़ी थी। वह बोली, आंटी बिजली नहीं है। इसलिए जोर से धक्का देना पड़ा, सौरी, कोई बात नहीं कहकर उसने गले लगा लिया, ये सुनते ही ट्रिवंकल की आंखों में आंसू आ गए।

नीता अपने पडोस की भाभी रेणुका को बहुत पसंद करती थी, जो कैसर से कई वर्ष जूझने के बाद पिछले वर्ष, ट्रिवंकल को छोड़ कर भगवान के पास जा चुकी थी।

आज ट्रिवंकल जोर जोर से रो रही थी, बहुत पूछने पर बताया, कुछ आंटी और अंकल आये थे, पापा का टीका किया, मिठाई दी और चले गए, घर में सब बहुत खुश हैं।

मैंने पापा से पूछा, आज क्या है? उन्होंने बताया, तुम्हारी दूसरी मम्मी आने वाली है।

आंटी, रोक लीजिये, मुझे दूसरी मम्मी नहीं चाहिए, उसी को सौंतेली माँ कहते हैं ना। मैंने टीवी में फिल्में देखी है, सौंतेली माँ अच्छी नहीं होती, स्कूल में भी कहानियां सुनी हैं। घर में दादी, चाची सब

हैं, फिर इनकी क्या जरूरत है। मैंने मम्मी की प्यारी यादों



# प्रेनेंसी में रखना है नवरात्र का व्रत, तो पहले ज्ञान लें ये बातें



देशभर में नवरात्र का त्योहार बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया जाता है। खासतौर पर उत्तर भारत में लोग मां दूर्गा के 9 स्वरूपों को पूजते हैं और व्रत भी रखते हैं। हल्तु एक्सप्टर्स दिल की बीमारी, डायबिटीज़, बीपी या प्रेनेंसी में व्रत रखने की सलाह नहीं देते हैं। हालांकि, प्रेनेंसी में जो महिलाएं व्रत कर रही हैं, उन्हें अतिरिक्त सावधानियां बरतने की ज़रूरत होती है ताकि शरीर में पोषण की कमी न हो और बच्चे के विकास पर इसका असर न पड़े।

**अगर आप भी प्रेनेंसी में नवरात्र के उपवास करने की सोच रही हैं, तो बेहतर है कि नीचे बताई गई बातों का ध्यान पूरा रखें।**

- खूब सारा पानी पिएं, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे। पानी के अलावा आप नारियल का पानी, सूदी, छाल, नीबू पानी, लस्सी आदि भी पी सकती हैं। ध्यान रहे कि एक सांस में कुछ भी न पीलें, बेहतर है कि छोटे-छोटे घूंठ पिएं।
- प्रेनेंसी के दौरान कब्ज़ की समस्या आम हो जाती है, इसलिए इससे बचने के लिए फाइबर से भरपूर खाना ज़रूर खाएं। मौसमी फलों और खीरा, टमाटर, गाजर आदि जैसी सब्जियां फाइबर से भरी होती हैं।
- प्रेनेंसी में अगर आप व्रत रख रही हैं, तो दिन से छोटे-छोटे मील्स लेते रहें। एसिडिटी, मतली या बदहजामी से बचने के लिए मील्स के बीच में 2 से 3 घंटे का गैप ज़रूर रखें।
- साबुत अनाज में कार्ब्स होते हैं, जो आपको पूरे दिन ऊर्जा देने का काम करते हैं। आम चावल और आटे की जगह कुट्टू के आटे, सिंघड़े का आटा और राजगिरा के आटे का उपयोग करें।
- दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स रोज़ 2-3 बार खाएं।
- आलू के चिप्स, आलू की पूरियां, टिक्की, साबुदाना की टिक्की आदि जैसे तले और प्रोसेस्ड फूड्स ज्यादा न खाएं। हालांकि, आप भुजे हुए मखाने और अखरोट, बादाम और किशमिश जैसे नट्स का सेवन कर सकती हैं।

## पर्यटन स्थलों पर सुविधाएं मौजूद नहीं होने से कम संख्या में पहुंच रहे पर्यटक

त हसील के वन क्षेत्रों में मौजूद पर्यटन स्थलों पर आम पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित करने का दावा वन विभाग लंबे समय से करता आ रहा है। लेकिन अभी तक वन क्षेत्रों में टूरिज्म डेवलपमेंट के कोई खास काम नहीं हो सके हैं।

चिढ़ी खो अभ्यारण्य को छोड़कर यदि आसपास के पर्यटन स्थल श्यामजी, कोटरा, सोलहखंभ, नादिया पानी, कोटूपानी आदि की बात की जाए तो यहां अभी भी कोई सुविधाओं का अभाव है। जिसके कारण यहां पर्यटकों की संख्या में भी इजाफा नहीं हो पा रहा है। जबकि शहर के आसपास वन क्षेत्र की सीमा में ऐसे ऐतिहासिक धरोहरें मौजूद हैं। जिनका यदि ढंग से संरक्षण कर लिया जाए तो क्षेत्र का पर्यटन और अधिक बढ़ सकता है। मध्यप्रदेश टूरिज्म भी लगातार अपने ट्रिवटर हेंडल से शहर के खूबसूरत पर्यटक स्थलों को लेकर ट्रॉफी कर रहे हैं। लेकिन वन विभाग ने इन पर्यटन स्थलों को



सहेजने की कोई तैयारी नहीं की है। फिलहाल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन एवं वन विभाग को संयुक्त रूप से योजना तैयार कर टूरिज्म विकास के लिए काम करना चाहिए। बजट के अभाव में संरक्षित नहीं हो सकीं धरोहरें। शहर के वन क्षेत्रों में मौजूद 40 हजार वर्ष पुराने ऐलचियों के संरक्षण के लिए वन विभाग के प्रस्ताव पर तीन लाख

रुपये की राशि आने की बात कही जा रही थी। लेकिन अभी तक राषि स्वीकृत नहीं हो सकी। वन विभाग ने कोटरा, श्यामजी ग्रामीणों को जनभागीदारी के माध्यम से पर्यटकों के लिए वाहन, कैटीन, जैसी सुविधाएं विकसित किए जाने का प्रस्ताव भी रखा था। विभाग को पर्यटन मद से इसके लिए राषि भी खर्च करने की योजना भी तैयार की थी।

## सेहत के लिए नुकसानदायक है इन फलों के जूस का सेवन

### 1. नाशपाती का जूस

खट्टे-मीठे स्वाद वाला नाशपाती एंटीऑक्सीडेंट्स विमिनरल्स से भरपूर होता है। लेकिन इसका जूस सेहत के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं होता है। इसकी वजह से इसमें मौजूद सॉर्विटोल शुगर, जो आसानी से पचती नहीं है। जो अपच, गैसजैसी समस्याओं की वजह बन सकती है।

### 3. एप्पल जूस

जहां रोजाना एक सेब खाना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है वहीं इसका जूस सेहत के लिए किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं



### 2. अनानास का जूस

अनानास का जूस भी खट्टा-मीठे स्वाद लिए होता है जो लोगों को बहुत पसंद आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है जिसकी वजह से शरीर में ब्लड का शुगर लेवल बढ़ सकता है। वैसे अनानास के फल में कई तरह के विटामिन्स और पोषक तत्व मौजूद जाते हैं जो जूसनिकालने से खत्म हो जाते हैं। तो जूस पीने होता क्योंकि बाहर इसका जूस बनाते वक्त बीज कई बार निकाला नहीं जाता।

## घुंघराले बालों की समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकते हैं ये घरेलू नुस्खे

आमतौर पर ज्यादातर पहिलाएं अपने बालों को घुंघराले यानी कलीं लुक देने की कोशिश करती हैं। जबकि कुछ महिलाओं के बाल प्राकृतिक रूप से घुंघराले होते हैं और उन्हें उलझाव, रुखापन और टूटने जैसी बालों की समस्याओं का काफी सामना करना पड़ता है। अगर आप भी अपने घुंघराले बालों के साथ इन समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो इनसे छुटकारा दिलाने में ये पांच घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

### सेब का सिरका आएगा काम

सेब का सिरका एक प्राकृतिक हेयर

क्लेरिफायर के रूप में काम करता है और आपके घुंघराले बालों को मुलायम बनाने के साथ चमक देता है। लाभ के लिए सेब के सिरके और पानी की बाराबर मात्रा को मिला लें और फिर अपने बालों को अच्छी तरह से शैंपू करके इस घोल से अपने बालों को धो लें। इसके बाद अपने सिर को ठंडे पानी से फिर से लाभ के लिए इस प्रक्रिया को दोहराने से बड़ा लाभ मिलेगा।

### अंडे का करें इस्तेमाल

अंडे प्रोटीन समेत कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो घुंघराले बालों का टूटना रोकने के साथ उन्हें मुलायम भी बना सकते हैं।

### बीयर है प्रभावी

बीयर घुंघराले बालों को आसानी से सुलझाने से लेकर इनके टूटने की संभावना कम होने जैसे कई लाभ मिल सकते हैं। लाभ के लिए

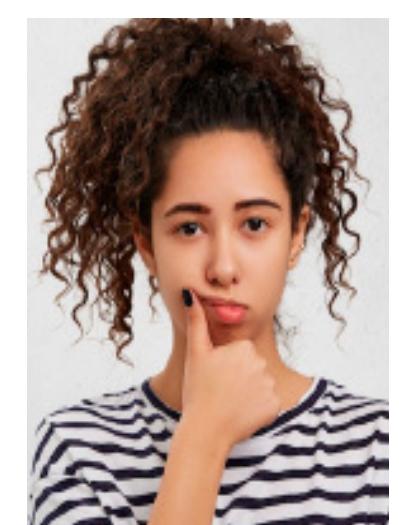
लाभ के लिए एक कटोरे में एक अंडा फेंटे लें। अब इसमें एक बड़ी चम्मच मेयोनीज और एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। इसके बाद इसे अपने बालों में लगाकर 30 मिनट के बाद सिर को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में एक बार इस प्रक्रिया को दोहराने से बड़ा लाभ मिलेगा।

लाभ के लिए एक कटोरे में एक अंडा फेंटे लें। अब इसमें एक बड़ी चम्मच मेयोनीज और एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। इसके बाद इसे अपने बालों में लगाकर 30 मिनट के बाद सिर को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में एक बार इस प्रक्रिया को दोहराने से बड़ा लाभ मिलेगा।

सबसे पहले अपने बालों को शैंपू और पानी से धो लें। अब धीरे-धीरे अपने बालों पर बीयर डालें और इसे लगभग पांच मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सिर को फिर से ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करें। इससे बालों की चमक और बढ़ जाएगी।

### एवोकाडो करेगा मदद

एवोकाडो में विटामिन- ई एक प्रमुख पोषक तत्व है। यह आपके घुंघराले बालों को मजबूती प्रदान करने के साथ उन्हें चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक एवोकाडो को मैश करके इसके साथ दो बड़ी



चम्मच दही मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपने बालों में लगाएं और लगभग एक घंटे के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें।